म. प्र. चेम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्री, ग्वालियर

https://mpcci.in

eअर्थवार्ता

मासिक पत्रिका

- आरएनआई/एमपीएचआईएन/1997/6965
- डाक पंजीकृत सं. ग्वालियर / 40020263/2023–25
- वर्ष : 26, अंक : 8
- माह : फरवरी 2024

FEBRUARY 2024

MSME विकास कार्यालय-इन्दौर/MSME मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा MPCCI एवं विभिन्न औद्योगिक संगठनों के सहयोग से वेण्डर डेवलपमेंट कार्यक्रम का आयोजन 'चेम्बर भवन' में 18-19 फरवरी को सम्पन्न

वेण्डर डेवलपमेंट कार्यक्रम एमएसएमई इकाईयों के लिए सुनहरा अवसर : संभागीय आयुक्त-श्री दीपक सिंह

एमएसएमई विकास कार्यालय-इन्दौर/एमएसएमई मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा चेम्बर ऑफ कॉमर्स सहित विभिन्न औद्योगिक संगठनों के सहयोग से ''वेण्डर डेवलपमेंट कार्यक्रम'' का दो-दिवसीय आयोजन का शुभारंभ दिनांक 18 फरवरी,24 को मुख्य अतिथि, संभागीय आयुक्त, श्री दीपक सिंह जी की गरिमामयी उपस्थिति में हुआ।

इस अवसर पर एमएसएमई के ज्वाइंट डायरेक्टर-श्री डी. डी. गजभिये, अध्यक्ष-डॉ. प्रवीण अग्रवाल, मानसेवी सचिव-दीपक अग्रवाल, बीएसएफ की टियर स्मॉक यूनिट के डिप्टी जनरल मैनेजर-श्री हिमांशु उदेरिया, एनएफएल से श्री अमसल रजा, सीएसआईआर-**AMPRI** से डॉ. अलका मिश्रा, डीआरडीई से डॉ. प्रदीप गुप्ता एवं गेल से श्री अनिल कुमार मंच पर उपस्थित थे।

कार्यक्रम के प्रारंभ में अतिथियों द्वारा दीप प्रज्जवलन कर, कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। तत्पश्चात् सरस्वती वंदना कु. आन्या गुप्ता द्वारा दी गई।

इस अवसर पर अपने उद्बोधन में अध्यक्ष-डॉ. प्रवीण अग्रवाल ने कहा कि एमएसएमई नीतियों को जन-जन तक पहुँचाना शासन का उद्देश्य है। इस कार्यक्रम में हम यह जानेंगे कि एमएसएमई इकाईयाँ कैसे पब्लिक सेक्टर यूनिट व शासकीय विभागों के वेण्डर बन सकते हैं। इस दो-दिवसीय कार्यक्रम के अन्तर्गत आयोजित सत्रों में सिडबी का भी एक सेशन है, जिसके तहत हमारे युवा भी उद्यमी बनने की दिशा में फानेंशियल सहायता के संबंध में भी अवगत होंगे।

ज्वाइंट डायरेक्टर, एमएसएमई-श्री डी. डी. गजभिये ने कहा कि इस वेण्डर डेवलपमेंट कार्यक्रम का उद्देश्य वेण्डर्स को पब्लिक सेक्टर यूनिट्स एवं शासकीय विभागों के साथ जोड़ना है, ताकि वे उन्हें माल की सप्लाय कर सकें। आपने एमएसएमईडी एक्ट-2006 के सेक्शन-11 के प्रावधान को बताते हुए कहा कि सरकार द्वारा इस क्लॉज के माध्यम से एमएसएमई के उत्पाद की मार्केटिंग के लिए शासकीय विभागों को 25% क्रय के लिए बाध्य किया गया है। इस खरीद में 3% एससी/एसटी एवं महिलाओं के लिए रिजर्वेशन रखा गया है। सेक्शन-15 से 18 के प्रावधानों में एमएसएमई के त्वरित पेमेंट की व्यवस्था की गई। इसमें बायर को 45 दिन में भुगतान के लिए बाध्य किया गया है।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि, संभागीय आयुक्त-श्री दीपक सिंह जी ने अपने उद्बोधन में कहा कि भारत की जीडीपी में एमएसएमई इकाईयों का 33% तथा निर्यात में 50% भागीदारी है। कोविड के कारण इसमें कमी आई थी, लेकिन एमएसएमई विभाग द्वारा वेण्डर डेवलपमेंट कार्यक्रम के माध्यम से इस कमी को पूर्ण करते हुए, इसमें और भागीदारी बढ़ाने का प्रयास सराहनीय है। हमारे मुख्यमंत्री जी द्वारा इंवेस्टर्स मीट का आयोजन प्रारंभ किया गया है। इसके ग्वालियर में किए जाने के लिए भी हमने उनसे अनुरोध किया है। हमारे युवा जो कि आधुनिक तकनीक का ज्ञान रखते हुए उसका उपयोग करना चाहते हैं, वह भी इस कार्यक्रम से लाभ प्राप्त करेंगे। मैं इस कार्यक्रम की सराहना करता हूँ। चेम्बर ऑफ कॉमर्स की नई टीम इस दिशा में अग्रणी होकर कार्य कर रही है। आपने कहा कि हमारा प्रयास है कि उद्योगों के लिए

जमीन व संबंधित औपचारिकताओं को एक ही छत के नीचे लेकर आएँ। आपने वेण्डर डेवलपमेंट कार्यक्रम को एमएसएमई के लिए सुनहरा अवसर बताया।

उद्घाटन सत्र के पश्चात् कार्यक्रम में भागीदारी कर रहीं पब्लिक सेक्टर यूनिट्स की प्रदर्शनी का संभागीय आयुक्त–श्री दीपक सिंह द्वारा फीता काटकर शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का संचालन, सुश्री अनुज्ञा हण्डू, वरिष्ठ सांख्यिकी अधिकारी, एमएसएमई विकास संस्थान, इंदौर द्वारा किया गया तथा आभार, कोषाध्यक्ष–संदीप नारायण अग्रवाल द्वारा व्यक्त किया गया।

'तकनीकी सत्र' में इण्डियन ऑयल कॉरपोरेशन लि., मुम्बई द्वारा वेण्डर्स को उनके साथ जुड़ने के लिए पंजीयन व अन्य आवश्यक जानकारियों से विस्तार से अवगत कराया गया। इसके साथ ही, स्कीम एण्ड वेण्डर वेण्डर रजिस्ट्रेशन के अन्तर्गत सीएसआईआर–एएमपीआरआई, भोपाल द्वारा विक्रेताओं के पंजीकरण एवं योजनाओं के संबंध में जानकारी दी गई। सिडबी, भोपाल द्वारा एमएसएमई के लिए संगठन की योजनाओं पर प्रकाश डाला गया। गेल, गुना द्वारा भी अपना प्रजेंटेशन देते हुए वेण्डर्स रजिस्ट्रेशन की जानकारी दी गई। डीआरडीई, ग्वालियर द्वारा भी वेण्डर रजिस्ट्रेशन सेशन में तकनीकी जानकारी दी गई। शासकीय मार्केटप्लेस हेतु जेम पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन एवं बायर को माल सप्लाय करने के विषय में जेम नई दिल्ली से पधारे श्री संदीप कुमार द्वारा विस्तार से जानकारी दी गई।

इस अवसर पर कार्यक्रम में काफी संख्या में एमएसएमई इकाईयों के प्रतिनिधिगण एवं युवा उद्यमी उपस्थित थे।

विभिन्न तकनीकी सत्रों के आयोजन पश्चात् दो-दिवसीय वेण्डर डेवलपमेंट कार्यक्रम का हुआ समापन

''वेण्डर डेवलपमेंट कार्यक्रम'' के द्वितीय दिवस 19 फरवरी, 24 पीएसयू एवं विभागों द्वारा पॉवर पॉइंट प्रजेंटेशन के माध्यम से अपने विषय में बताया गया तथा एमएसएमई इकाईयाँ उनके लिए क्या–क्या अपने उत्पाद सप्लाय कर सकती हैं, इसकी जानकारी दी गई।

द्वितीय दिवस सबसे पहला प्रजेंटेशन बीएसएफ की टियर एण्ड स्मॉक यूनिट द्वारा दिया गया। बीएसएफ की टियर स्मॉक यूनिट के डिप्टी जनरल मैनेजर–श्री हिमांशु उदेरिया ने बताया कि हमारी यूनिट की स्थापना वर्ष–1976 में की गई थी। हमारे द्वारा किसी अप्रिय स्थिति पर जमा भीड़ को दूर भगाने वाले उत्पाद बनाए जाते हैं। हम 6 लाख से ज्यादा विभिन्न प्रकार के उत्पाद बनाते हैं, जो कि हम अपने देश में तथा देश के बाहर भारत के मित्र देशों की माँग पर उन्हें निर्यात करते हैं। बीएसएफ के असिस्टेंट कमांडर, श्री राघवेन्द्र कुमार ने उत्पादों में लगने वाले रॉ मटेरियल के बारे में बताया कि हम मुख्यत: प्लास्टिक हार्डवेयर, एल्यूमीनियम, पेकिंग मटेरियल, लेबल्स, केमिकल क्रय करते हैं। इसमें प्लास्टिक के पॉलीबैग हम केवल एमएसएमई से ही क्रय करते हैं। अप्रैल माह में टेण्डर बुलाकर वार्षिक खरीद की जाती है। टेण्डर प्रक्रिया में निविदादाता की मदद भी हम करते हैं। हम केवल मेन्युफेक्चर को ही अनुमति देते हैं। अधिकांश प्रोक्योरमेंट जेम पोर्टल के माध्यम से ही किया जाता है। इसलिए यदि आप हमसे जुड़कर हमें माल आपूर्ति करना चाहते हैं, तो हमारा परिसर टेक्निकल टीम के साथ विजिट कर सकते हैं।

एमएसएमई के ज्वाइंट डायरेक्टर–श्री डी. डी. गजभिये ने वेण्डर्स को बताया कि पब्लिक प्रोक्योरमेंट पॉलिसी–2012 के आखिरी 10

पेज का आप अध्ययन करें। इसमें एमएसएमई के 358 लिस्ट है, जो कि एमएसएमई द्वारा सप्लाय किए जा सकते हैं।

कार्यक्रम में ओएनजीसी मेहसाना, गुजरात से शामिल हुए, श्री रवि जैन द्वारा ओएनजीसी प्रोक्योरमेंट पॉलिसी के बारे में पॉवर पॉइंट प्रजेंटेशन के माध्यम से अवगत कराया गया। आपने ओएनजीसी की कार्य पद्धति तथा वेण्डर्स से लिए जाने वाले उत्पादों के विषय में प्रतिभागियों को जानकारी दी।

सेन्ट्रल पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड, नई दिल्ली से पधारे, डॉ. जगन पिठानी द्वारा वेस्ट से वेल्थ की ओर जाने के लिए उद्यमियों को प्रेरित किया। आपने बताया कि देश में जो वेस्ट (कचरा) निकलता है, चाहे वह खेतों से पराली के रूप में हो अथवा फैक्ट्री से निकलने वाला मटेरियल इसको रिसाइकिल किया जाना चाहिए, ताकि पर्यावरण को प्रदूषित होने से बचाया जा सके और शून्य लागत से उत्पाद निर्मित हो सकें। आपने कहा कि आज कचरे से बिजली बनाई जा रही है, यह सब रिसर्च से ही संभव हो सका है।

सीएसआईआर–एम्प्री भोपाल से पधारीं, डॉ. अलका मिश्रा द्वारा पराली व मार्बल वेस्ट से हाईब्रिड पार्टिकल बोर्ड, रूफिंग शीट, दरवाजे, फर्नीचर बनाए जाने की तकनीक का प्रजेंटेशन दिया। आपने बताया कि पराली तथा मार्बल स्टोन वेस्ट का उपयोग करके कम लागत में यह सब उत्पाद बनाए जा सकते हैं, जिनमें दीमक भी नहीं लगती है। यह तकनीक डेवलप कर ली है। अब जो भी इकाई इसका कॉमर्शियल उत्पादन करना चाहती है, उन्हें हम तकनीक उपलब्ध कराएंगे। इससे पराली जलाने से होने वाले प्रदूषण से भी हमारे पर्यावरण की सुरक्षा हो सकेगी।

नेशनल फर्टिलाईजर्स लि., गुना द्वारा विक्रेता पंजीकरण एवं नाबार्ड द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में स्थापित वेयरहाउस के तथा अन्य वित्तीय सहायताओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।

स्टार्टअप के बारे में डॉ. अनुराग राय, डायरेक्टर कल्चुरी इंक्युवेशन सेंटर, भोपाल द्वारा स्टार्टअप को किस प्रकार उनके द्वारा पोषित किया जाता है, उसके बारे में बताया गया एवं स्टार्टअप से मिली सफलता को श्री किसलय कुमार, झारखण्ड द्वारा प्रतिभागियों के साथ शेयर किया गया।

अंत में शासकीय मार्केटप्लेस हेतु जेम पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन उपरांत किस प्रकार अपने उत्पाद का कैटलॉग बनाकर अपलोड किया जा सकता है, उसके बारे में जेम नई दिल्ली से पधारे, श्री संदीप कुमार द्वारा विस्तार से जानकारी दी गई।

कार्यक्रम में प्रतिभागियों द्वारा अपनी जिज्ञासाओं संबंधी प्रश्न भी किए गए, जिनका समाधान विभाग/पीएसयू के प्रतिनिधिगणों द्वारा किया गया।

कार्यक्रम के अंत में सभी अतिथियों को स्मृति–चिन्ह भेंट किए गए। कार्यक्रम का संचालन, संयोजक–सुश्री अनुज्ञा हण्डू, वरिष्ठ सांख्यिकी अधिकारी, एमएसएमई विकास संस्थान, इंदौर द्वारा किया गया। साथ ही, आभार, उद्यमी–श्री संजय शर्मा द्वारा व्यक्त किया गया। कार्यक्रम में अध्यक्ष–डॉ. प्रवीण अग्रवाल, मानसेवी सचिव–दीपक अग्रवाल, कोषाध्यक्ष–संदीप नारायण अग्रवाल सहित काफी संख्या में एमएसएमई इकाईयों के प्रतिनिधिगण एवं युवा उद्यमी उपस्थित थे।

http://www.mpcci.in
अर्थवार्ता
मासिक पत्रिका

''लूट की घटनाओं पर आंदोलन''

सोना–चाँदी व्यवसाईयों के साथ मुरैना में हुई लूट एवं डकैती की घटनाओं के दोषी अपराधियों की तत्काल गिरफ्तारी की माँग को लेकर पुलिस महानिरीक्षक, चंबल रेंज सहित एस. पी., मुरैना को सौंपा गया ज्ञापन एवं विरोध में लश्कर, उपनगर ग्वालियर सहित मुरार के सराफा बाजार में दिया गया धरना

मुरार के सोना–चाँदी व्यवसाई, श्री राहुल गोयल के सेल्समैन, श्री शैलेष गुप्ता के साथ दिनांक 31 जनवरी, 24 को पुलिस थाना–बागचीनी (जिला–मुरैना) में लूट व डकैती की घटना सहित मुरैना शहर के सोना–चाँदी व्यवसाई, श्री अतुल गुप्ता, मेसर्स अतुल ज्वेलर्स के साथ दि. 05 फरवरी, 24 को हुई 07 लाख की लूट की घटना के दोषी अपराधियों को पुलिस द्वारा गिरफ्तार नहीं किए जाने के विरोध में चेम्बर द्वारा पुलिस महानिरीक्षक, चम्बल रेंज को ज्ञापन सौंपा गया। साथ ही, ग्वालियर एवं मुरैना के सराफा व्यवसाईयों सहित अन्य कारोबारियों द्वारा चरणबद्ध आंदोलन की प्रथम कड़ी में एक ज्ञापन, पुलिस अधीक्षक, जिला–मुरैना को उनके कार्यालय में सौंपा गया।

इससे पूर्व दिनांक 10 फरवरी को सोना–चांदी व्यवसाय संघ एवं व्यापारियों के साथ 'चेम्बर भवन' में बैठक में आयोजित की गई, जिसमें निर्णय लिया गया कि सोना–चांदी व्यवसायियों के साथ लूट करने वाले आरोपी माल सहित 72 घंटे के अंदर नहीं पकड़े गए तो चरणबद्ध आंदोलन के तहत सर्वप्रथम 13 फरवरी को मुरैना के सर्राफा बाजार स्थित झण्डा चौक से व्यापारी जुलूस के रूप में एस. पी. ऑफिस तक जाएँगे और वहाँ पर प्रदर्शन करते हुए पुलिस अधीक्षक, मुरैना को ज्ञापन सौपेंगे। इसके पश्चात् 14 फरवरी को मुरार के सर्राफा बाजार में धरना दिया जाएगा। 15 फरवरी को उपनगर ग्वालियर तथा 16 फरवरी को लश्कर के सर्राफा बाजार में धरना दिया जाएगा। इसके पश्चात् 17 फरवरी को पुन: समीक्षा बैठक आयोजित कर, आंदोलन की आगामी रूपरेखा तय की जाएगी।

इसी कड़ी में दिनांक 17 फरवरी को आयोजित समीक्षा बैठक में व्यवसायियों की सर्वसम्मति पर अध्यक्ष–डॉ. प्रवीण अग्रवाल ने कहा कि जब तक हमारे आंदोलन को शत–प्रतिशत सफलता नहीं मिलती है, तब तक न आंदोलन को स्थगित किया जाएगा और न ही रोका जाएगा। इस बैठक में पुन: पुलिस प्रशासन को श्री राहुल गोयल के साथ हुई लूट की घटना का खुलासा करने के लिए 72 घंटे का अल्टीमेटम देते हुए क्रमश: बाजार बंद कराने का निर्णय लिया गया।

दिनांक 21 फरवरी को एक बार पुनः अपराधियों को गिरफ्तार कर, मशरुका जप्त किए जाने की माँग करते हुए, पुलिस महानिरीक्षक, चंबल जोन को ज्ञापन सौंपा गया। दिनांक 23 फरवरी को बाजार बंद करने की रूपरेखा पर 'चेम्बर भवन' में बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में प्रदेश के ऊर्जा मंत्री, माननीय श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर के आश्वासन पर क्रमश: बाजार बंद कराने के निर्णय, जिसके तहत 24 फरवरी को मुरार, 25 फरवरी को उपनगर ग्वालियर तथा 26 फरवरी को लश्कर बंद किए जाने का निर्णय लिया जाना था, उसको रोका गया। माननीय मंत्री महोदय के आश्वासन पर तथा पुलिस प्रशासन द्वारा की जा रही सकारात्मक कार्यवाही पर दिनांक 27 फरवरी को बैठक आयोजित करने का निर्णय लिया गया।

दिनांक 27 फरवरी को आयोजित बैठक में माल नहीं मिलने तक आंदोलन को जारी रखने का निर्णय लिया गया। उक्त बैठक में उपस्थित लश्कर, उपनगर ग्वालियर एवं मुरार के सोना–चाँदी व्यवसाईयों द्वारा एकमत से पुलिस की कार्यवाही को संतोषप्रद बताते हुए पुलिस को थोड़ा और समय दिए जाने पर सहमति व्यक्त की गई। साथ ही इस अवसर पर ऊर्जा मंत्री–माननीय श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर द्वारा भी व्यवसाईयों से सात दिवस तक बंद के निर्णय को रोकने का आग्रह किया गया। इस पर बैठक के अंत में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि आंदोलन की सफलता तक आंदोलन जारी रहेगा और मार्च की शुरूआत में माननीय ऊर्जा मंत्री जी के साथ पुलिस के आला अधिकारी को चेम्बर भवन में सभी व्यापारियों के बीच बात कर आंदोलन को तेज किया जाएगा।

''चेम्बर संवाद''

समूह क्रमांक : 01, 05 एवं 13 की बैठक आयोजित

'चेम्बर संवाद' के अन्तर्गत दिनांक 24 फरवरी,24 को समूह क्रमांक–01, 05 एवं 13 की बैठक 'चेम्बर भवन' में आयोजित हुई।

इस अवसर पर अध्यक्ष–डॉ. प्रवीण अग्रवाल ने अपने उद्‌बोधन में कहाकि 'चेम्बर संवाद' का उद्देश्य आपके व्यवसाय में आ रहीं समस्याओं का संकलन करना है। आप अपनी समस्याओं को ईमेल के माध्यम से भी प्रेषित कर सकते हैं। आपकी समस्याओं पर हम हर पल निराकरण के लिए प्रयासरत रहेंगे। आपके द्वारा जो भी समस्याएँ प्रस्तुत की जाएँगी, उन पर प्रभावी कार्यवाही की जाएगी।

बैठक का संचालन कर रहे, मानसेवी सचिव–दीपक अग्रवाल ने कहाकि चेम्बर में दस्तावेजों का डिजिटलाइजेशन किया जा रहा है। वर्ष 1965 में प्रकाशित मासिक पत्रिका में हमारे पूर्व अध्यक्ष, स्व. दुर्गाप्रसाद जी मण्डेलिया का एक लेख मिला है, जिसका शीर्षक ''एकता का अभाव ही व्यापारियों व उद्योगपतियों की परेशानी का कारण है'' उनके यह विचार आज भी प्रासंगिक हैं। हम यदि अपनी एकता पर कार्य कर लें, तो कारोबार संबंधी समस्याओं का निराकरण होना निश्चित है। आपने कहाकि 'चेम्बर संवाद' के रूप में नवीन नवाचार हमारी टीम द्वारा प्रारम्भ किया गया है, ताकि आपकी समस्याओं पर हम कार्य कर सकें।

संवाद में व्यवसाईयों ने बताया कि बैंकों के कार्यालयीन समय में सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित होना चाहिए। बीमा एवं मेडिक्लेम से संबंधित सेवाओं का सेमीनार सदस्यों के लिए होना चाहिए। कार्यकारिणी सदस्यों को भी अपने समूह की बैठक आयोजित करनी चाहिए। फूड सेफ्टी ट्रेनिंग शिविर फॉस्टेक का आयोजन होना चाहिए तथा फूड लायसेंस ट्रेडर्स के लिए 3 से 5 वर्ष में नवीनीकरण होना चाहिए। व्यापारियों की वाणिज्यिक कर विभाग में वर्ष 1995 से जमा सामूहिक एफडीआर वापिस दिलाने के प्रयास होना चाहिए। इलेक्ट्रोनिक उपकरण व्यवसाईयों के लिए गोडाउन के लिए जगह की व्यवस्था की जाना चाहिए।

बैठक के अंत में उपाध्यक्ष–डॉ. राकेश अग्रवाल द्वारा सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया गया। बैठक में कोषाध्यक्ष–संदीप नारायण अग्रवाल, कार्यकारिणी समिति सदस्य, श्रीमती अलका श्रीवास्तव, सर्वश्री राजेन्द्र कुमार गुप्ता, संजय अग्रवाल, दीपक अग्रवाल, के. के. माहेश्वरी, सुनील गोयल (कोठी वाले), सदस्यगण–सर्वश्री ओमप्रकाश अग्रवाल, केदारनाथ गुप्ता, अजय चौपड़ा, श्याम बंसल (अप्पा) एवं मयूर गर्ग आदि उपस्थित थे।

फरवरी, 2024 के महत्वपूर्ण प्रयास...

* म. प्र. के वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए प्रस्तावित बजट में शामिल करने हेतु प्री-बजट सुझाव, उप मुख्यमंत्री / वित्तमंत्री-माननीय श्री जगदीश देवड़ा को प्रेषित किए गए।
* सीईओ, स्मार्ट सिटी-श्रीमती नीतू माथुर को पत्र प्रेषित कर, स्मार्ट सिटी, ग्वालियर की भविष्य की योजनाओं की जानकारी प्रदान करने की माँग की गई।
* मुरार (ग्वालियर) के सोना-चाँदी व्यवसाई-श्री राहुल गोयल के मुनीम के साथ जिला-मुरैना में हुई लूट की घटना के विरोध में केन्द्रीय नागर विमानन मंत्री-श्रीमंत ज्योतिरादित्य सिंधिया, आईजी, चंबल जोन को पत्र प्रेषित कर, अपराधियों की तत्काल गिरफ्तारी की माँग की गई।
* केन्द्रीय रेलमंत्री, माननीय श्री अश्विनी वैष्णव को पत्र प्रेषित कर, ट्रेन नं. 22193 (दौंड-ग्वालियर एक्सप्रेस) के समय को परिवर्तित किए जाने की माँग की गई।
* केन्द्रीय वित्तमंत्री-माननीया श्रीमती निर्मला सीतारमण, केन्द्रीय नागर विमानन मंत्री-श्रीमंत ज्योतिरादित्य सिंधिया, ग्वालियर सांसद-माननीय श्री विवेक नारायण शेजवलकर, अध्यक्ष, फिक्की-नई दिल्ली एवं अध्यक्ष, फेडरेशन-भोपाल सहित मुख्य आयुक्त, सेन्ट्रल जीएसटी एवं सेन्ट्रल एक्साइज, भोपाल को पत्र प्रेषित कर, सीजीएसटी ऑडिट कार्यालय को ग्वालियर में यथावत रखने, ग्वालियर में सीजीएसटी कमिश्नरेट स्थापित किए जाने एवं जीएसटी के सभी कार्यालय एक ही भवन में रखे जाने की माँग की गई।
* प्रदेश के एमएसएमई मंत्री-माननीय श्री चैतन्य कुमार काश्यप को राज्य स्तरीय लघु उद्योग संवर्धन बोर्ड की बैठक दिनांक 20 फरवरी,24 में उद्योगों की समस्याओं पर गंभीरता से विचार कर, निर्णय लिए जाने हेतु सुझाव प्रेषित किए गए।
* पुलिस महानिरीक्षक, चंबल रेंज-श्री सुशांत कुमार सक्सेना को ज्ञापन सौंपकर, मुरार के सोना-चाँदी व्यवसाई के साथ मुरैना में हुई लूट की घटना का खुलासा तत्काल किए जाने एवं दौलतगंज, लश्कर के टिम्बर व्यवसाई-श्री राजेश अग्रवाल की कार से दिनांक 16-02-24 को मुरैना में रु. 12 लाख की नगद धनराशि निकाले जाने की घटना के अपराधी को तत्काल पकड़कर, धनराशि जप्त कर, व्यवसाई को उपलब्ध कराए जाने की माँग की गई।
* मुख्यमंत्री-माननीय डॉ. मोहन सिंह यादव, केन्द्रीय नागर विमानन मंत्री-श्रीमंत ज्योतिरादित्य सिंधिया, प्रदेश के एमएसएमई मंत्री-माननीय श्री चैतन्य कुमार काश्यप एवं सचिव, एमएसएमई/आयुक्त, एमएसएमई-श्री पी. नरहरि को पत्र प्रेषित कर, एमएसएमई प्रोत्साहन योजना के अन्तर्गत स्वीकृत प्रकरणों में वितरण हेतु लंबित इकाईयों को भुगतान हेतु आबंटन राशि उपलब्ध कराए जाने की माँग की गई।

ग्वालियर को एक और 'वंदे भारत एक्सप्रेस' की मिली सौगात

रेल मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा दि. 12 मार्च,24 से ह. निजामुद्दीन-खजुराहो 'वंदे भारत एक्सप्रेस' संचालित किए जाने से ग्वालियर अंचल के यात्रियों को एक वर्ष के अंदर ही दूसरी 'वंदे भारत एक्सप्रेस' की सौगात प्राप्त हुई है। यह ट्रेन ग्वालियर से खजुराहो 05 घंटे में पहुँचेगी। नवीन 'वंदे भारत एक्सप्रेस' की समय-सारिणी निम्नानुसार है :-

गाड़ी सं.-22470 ह. निजामुद्दीन-खजुराहो			गाड़ी सं.-22469 खजुराहो-ह. निजामुद्दीन	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
--	06.00	ह. निजामुद्दीन	23.10	--
07.40	07.45	आगरा छावनी	20.55	21.00
09.10	09.15	ग्वालियर	19.25	19.30
10.30	10.35	वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी	18.20	18.25
11.35	11.45	ललितपुर	17.10	17.20
12.21	12.23	टीकमगढ़	16.10	16.12
13.16	13.18	छतरपुर	15.15	15.17
14.20	--	खजुराहो	--	14.50

चेम्बर के प्रयासों को मिली सफलता...

CGST ऑडिट कार्यालय ग्वालियर में रहेगा यथावत्

ग्वालियर-चंबल अंचल के 28 हजार से अधिक व्यवसाईयों के हितों को ध्यान में रखते हुए चेम्बर ऑफ कॉमर्स द्वारा किए गए अथक प्रयासों के फलस्वरूप चेम्बर की माँग पर केन्द्रीय नागर विमानन मंत्री, श्रीमंत ज्योतिरादित्य सिंधिया ने केन्द्रीय वित्तमंत्री-माननीया श्रीमती निर्मला सीतारमण को पत्र लिखकर सीजीएसटी ऑडिट कार्यालय को भोपाल में शिफ्ट किए जाने के संबंध में आवश्यक पहल करने की माँग की गई थी, जिसके परिणाम स्वरूप दिनांक 19 फरवरी को एडिशनल कमिश्नर, श्री फराज अहमद कुरैशी (सीसीओ) द्वारा आदेश जारी करते हुए स्पष्ट किया है कि ग्वालियर स्थित ऑडिट कार्यालय को भोपाल स्थानांतरित करने का प्रस्ताव अनिश्चित काल के लिए टाल दिया गया है।

तदर्थ, चेम्बर ऑफ कॉमर्स के पदाधिकारियों द्वारा केन्द्रीय नागर विमानन एवं इस्पात मंत्री-श्रीमंत ज्योतिरादित्य सिंधिया के प्रति हार्दिक आभार एवं धन्यवाद व्यक्त किया गया है।

ज्ञात रहे, चेम्बर ऑफ कॉमर्स द्वारा केन्द्रीय नागर विमानन एवं इस्पात मंत्री-श्रीमंत ज्योतिरादित्य सिंधिया एवं केन्द्रीय वित्तमंत्री-माननीया श्रीमती निर्मला सीतारमण सहित मुख्य आयुक्त, सीजीएसटी, सेन्ट्रल एक्साईज कस्टम (म. प्र. एवं छत्तीगसढ़), भोपाल को पत्र प्रेषित कर, ग्वालियर में अक्टूबर-2014 से स्थापित सीजीएसटी ऑडिट कार्यालय को भोपाल में शिफ्ट किए जाने के प्रयासों का विरोध करते हुए, उक्त कार्यालय को ग्वालियर में यथावत् बनाए रखने की माँग की गई थी।

कार्यकारिणी समिति की बैठक

दिनांक 29 फरवरी,24 को आयोजित कार्यकारिणी समिति की बैठक में लिए गए महत्वपूर्ण निर्णय :-

गत् वर्ष के स्वीकृत बजट की निम्न मदों में हुए अतिरिक्त व्यय को स्वीकृति प्रदान की गई :-

(A) सेमीनार, मीटिंग एवं अन्य कार्यक्रम : रु. 46185/-
(B) अर्थवार्ता व्यय : रु. 31900/-
(C) लेखन सामग्री एवं मुद्रण व्यय : रु. 91362/-
(D) यूनिफॉर्म व्यय : रु. 8280/-
(E) चेम्बर भवन रखरखाव, पुताई व मरम्मत : रु. 441252/-
(F) चेम्बर भवन रखरखाव स्टॉफ पारिश्रमिक : 181543/-
(G) विद्युत सामान क्रय एवं मरम्मत : रु. 112321/-
(H) सम्पत्ति कर : रु. 95483/-

* वित्तीय वर्ष 2024-25 हेतु प्रस्तावित 'बजट' पर विचार कर, स्वीकृति प्रदान की गई।

मुम्बई के लिए अकासा एयर की फ्लाइट प्रारम्भ

दि. 27 फरवरी से अकासा एयर द्वारा मुम्बई-ग्वालियर-मुम्बई के मध्य फ्लाइट प्रारम्भ की गई है। यह फ्लाइट मंगलवार को मुम्बई से दोपहर 12.10 बजे चलकर, दोपहर 02.00 बजे ग्वालियर पहुँचेगी।

ग्वालियर से दोपहर 2.40 बजे प्रस्थान कर, मुम्बई सायं 04.40 बजे पहुँचेगी। ग्वालियर अंचल के यात्री इस फ्लाइट से ग्वालियर से मुम्बई की यात्रा मात्र 02 घंटे में पूरी कर सकेंगे।

ग्वालियर-अहमदाबाद के मध्य 1 फरवरी से हवाई सेवा प्रारम्भ होने से ग्वालियर और गुजरात के मध्य आवागमन होगा सुगम : MPCCI

अकासा एयर कं. द्वारा 1 फरवरी से अहमदाबाद-ग्वालियर-अहमदाबाद के मध्य प्रारम्भ की गई हवाई सेवा का चेम्बर ऑफ कॉमर्स ने हार्दिक स्वागत् करते हुए, ग्वालियर को नवीन फ्लाइट्स के रूप में नित नई सौगात उपलब्ध कराने पर केन्द्रीय नागर विमानन मंत्री, श्रीमंत ज्योतिरादित्य सिंधिया के प्रति हार्दिक आभार एवं धन्यवाद व्यक्त किया है।

केन्द्रीय नागर विमानन मंत्री, श्रीमंत सिंधिया जी की पहल से अहमदाबाद के लिए प्रारम्भ हुई फ्लाइट, ग्वालियर अंचल के व्यापार एवं उद्योग को बढ़ाने वाला एक कदम है क्योंकि इस फ्लाइट के प्रारम्भ होने से ग्वालियर अंचल के व्यापारियों एवं उद्योगपतियों को गुजरात आवागमन में काफी सुविधा होगी।

प्रेषक : स्वामी म. प्र. चेम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्री के लिए प्रकाशक, दीपक अग्रवाल द्वारा ग्राफिक्स वर्ल्ड, ग्वालियर से डिजाइन तथा 'चेम्बर भवन', एस.डी.एम. मार्ग, ग्वालियर से प्रकाशित. संपादक-दीपक अग्रवाल, दूरभाष-2371691,2632916,2382917